सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 45 | जौनपुर, मंगलवार, 01 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

केजरीवाल की ईमानदारी पर होगा विधानसभा का चुनाव – सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली का चुनाव अरविंद केजरीवाल की ईमानदारी पर होगा। श्री सिसोदिया ने सोमवार को करोलबाग विधानसभा में पदयात्रा कर लोगों से संवाद करते हुए कहा कि दिल्ली का चुनाव अरविंद केजरीवाल की ईमानदारी पर होगा। भाजपा केजरीवाल की ईमानदारी पर दाग लगाने की खूब कोशिश कर रही हैं, लेकिन दिल्ली की जनता मानने को तैयार ही नहीं हैं। एक तरफ, केजरीवाल स्कूल– कॉलेज, मोहल्ला क्लीनिक बना रहे हैं, बिजली–पानी के बिल शून्य कर रहे हैं और दूसरी तरफ भाजपा दिल्ली के काम रोक रही है। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल हमारे बीच आ गए हैं और सड़क पर उतर कर काम कर रहे हैं। भाजपा ने केजरीवाल को बहुत रोकने की कोशिश की। पिछले नौ–दस साल से श्री केजरीवाल काम किए जा रहे हैं। भाजपा वालों ने हमारे काम रोकने के लिए सबसे पहले हमारे विधायकों पर खूब केस लगाए। पूरे दिल्ली में इन्होंने एमएलए और पार्षदों को छांट–छांटकर कर उन पर केस लगाए।

पीएम मोदी ने जम्मू और कश्मीर को पर्यटन हब बना दिया - योगी

जम्मू कश्मीर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनाव को लेकर जम्मू–कश्मीर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने अपने भाषण के दौरान कहा कि कांग्रेस और एनसीपी की सरकार ने संविधान निर्माण के समय बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिंताओं को दरकिनार करते हुए कश्मीर में धारा 370 लागू करके एक बड़ा पाप किया था। जिसकी सजा अब तक कठुआ समेत पूरे जम्मू–कश्मीर के लोग भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के दौरान ही बीजेपी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्लोगन श्एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशानश नहीं चलने को साकार किया है, और अब राज्य की जनता को अपने वोट के माध्यम से ही इस चुनाव में अपने भाग्य का फैसला करना है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि जम्मू कश्मीर में भी तेज गति से विकास करने के लिए देश के कई प्रदेशों की तरह यहां भी डबल इंजन की सरकार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। अपने भाषण के दौरान राम मंदिर का मुद्दा जोर–शोर से उठाते हुए योगी ने कांग्रेस पर जमकर बोला और आरोप लगाया कि कांग्रेस की

गलत नीतियों के कारण ही राम मंदिर बनने में इतना लंबा समय लगा है। उनके मुताबिक, जिस समस्या को कांग्रेस आजादी के बाद से लेकर अब तक नहीं सुलझा सकी थी, उसको भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सिर्फ 5 साल के दौरान ही सुलझा लिया है क्योंकि श्कांग्रेस समस्या का नाम है और भाजपा समाधान का। अपनी सरकार की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस द्वारा फैलाई गई कई अफवाहों के बाद भी मंदिर निर्माण के समय राज्य में कानून का राज व्याप्त रहा। उन्होंने बताया कि आर्टिकल 370 हटाने के समय भी कांग्रेस समेत नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी भी राज्य में खून की नदियां बहाने की धमकी देती थीं, लेकिन भाजपा शासन के दौरान राज्य में कानून व्यवस्था में कोई रुकावट नहीं आई और पिछले 10 साल से जम्मू कश्मीर निरंतर विकास के पद पर आगे बढ़ रहा है। पूर्ववर्ती सरकारों पर योगी ने आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य में जमकर भ्रष्टाचार, अराजकता, गुंडागर्दी, पलायन और हिंदुओं का कत्लेआम करने का काम किया था। उन्होंने कहा कि सभी सरकारों ने जम्मू–कश्मीर की जनता को पूरी तरह से आतंकवाद की भट्टी में झोंक दिया था, लेकिन पिछले 10 साल में भाजपा की सरकार ने लोगों को इन सभी समस्याओं से बाहर निकाला है।

संक्षिप्त खबरें

योगी सरकार ने गौ सेवा आयोग का किया गठन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गौ सेवा आयोग का गठन किया है। यूपी के झांसी जिले के रहने वाले श्याम बिहारी गुप्ता को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही बस्ती जिले के महेश कुमार शुक्ला और कुशीनगर जिले के जसवंत सिंह उर्फ अतुल सिंह को आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मुरादाबाद जिले के रहने वाले दीपक गोयल, फिरोजाबाद जिले के रमाकांत उपाध्याय और महोबा जिले के राजेश सिंह सेंगर को आयोग का सदस्य नामित किया गया है। पशुधन विभाग के प्रमुख सचिव के. रविंद्र नायक ने सोमवार को गौ सेवा आयोग के गठन को मंजूरी देते हुए नियुक्ति संबंधी आदेश जारी किए ।आयोग के गठन में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को समायोजित किया गया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति (एससी /एसटी) आयोग का गठन किया गया था। इसका अध्यक्ष पूर्व विधायक बैजनाथ रावत को बनाया गया। पूर्व विधायक बेचन राम और जीत सिंह खरवार को आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बाराबंकी के बैजनाथ रावत अनुसूचित जाति से हैं।

स्वस्थ मन और सशक्त शरीर है जरूरी – राज्यपाल गंगवार

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में सोमवार को एक कार्यक्रम में 1 से 30 सितंबर तक चलने वाले सातवें राष्ट्रीय पोषण माह का समापन किया गया। राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कार्यक्रम में शिरकत की। राज्यपाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, यदि हमने परिवार में मां–बहन की चिंता नहीं की तो यह समस्या ऐसी है कि इसका कोई इलाज भी नहीं है। इसलिए भारत सरकार ने यह अभियान शुरू कर एक अच्छा काम किया है।

पीएम मोदी का मिशन झारखंड, राज्य को देगें करोड़ो की सौगात

नई दिल्ली, एजेसी। पीएम नरेंद्र मोदी महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर झारखंड का दौरा करेंगे, जहां वह हजारी बाग में प्रधानमंत्री जन जातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत करेंगे। इस पहल का उद्देश्य आदिवासी बहुल गांवों का उत्थान करना है और आदिवासी आबादी को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है झारखंड में राज्यव्यापी अभियान, भाजपा की परिवर्तन यात्रा की समापन रैली को भी संबोधित करेंगे। दो सप्ताह से अधिक समय में यह पीएम मोदी की राज्य की दूसरी यात्रा होगी। जमशेदपुर में छह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का उद्घाटन किया और एक भाजपा रैली को संबोधित किया। आगामी यात्रा महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चौथी बार है जब पीएम मोदी झारखंड से

एक प्रमुख राष्ट्रीय योजना की शुरुआत कर रहे हैं। पिछले लॉन्च में आयुष्मान भारत योजना (2018), किसान मानधन योजना (2019), और नवंबर 2023 में विकसित भारत संकल्प यात्रा शामिल हैं। केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित प्रधान मंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान का लक्ष्य 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में 63,000 से अधिक आदिवासी बहुल गांवों को विकास की मुख्यधारा में एकीकृत करना है। 79,156 करोड़ रुपये के प्रस्तावित बजट के साथ, यह योजना आदिवासी समुदायों के 5 करोड़ से अधिक लोगों को लक्षित करती है। नरेंद्र मोदी झारखंड का दौरा करेंगे। वह झारखंड के हजारीबाग में 83,300 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास, शुभारंभ और उद्घाटन करेंगे। देश भर में जनजातीय समुदायों के व्यापक और समग्र विकास को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधान मंत्री 79,150 करोड़ रुपये से अधिक के कुल परिव्यय के साथ धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू करेंगे। यह अभियान लगभग 63,000 गांवों को कवर करेगा, जिससे 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 549 जिलों और 2,740 ब्लॉकों में 5 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों को लाभ होगा। इसका लक्ष्य भारत सरकार के विभिन्न 17 मंत्रालयों और विभाग द्वारा कार्यान्वित 25 हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल की संतृप्ति प्राप्त करना है।

शीतकालीन सत्र में पारित होगा वक्फ बिल – अमित शाह

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस साल के अंत में शीतकालीन सत्र के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने की कसम खाई। हरियाणा में एक चुनावी सभा के दौरान शाह ने कहा कि कानून बनने के बाद इसका विरोध करने वाले लोग सीधे हो जाएंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आपको वक्फ बोर्ड पर मौजूदा कानून से समस्या है। हम संसद के शीतकालीन सत्र में इसमें संशोधन करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले महीने कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था कि केंद्र के वक्फ विधेयक का उद्देश्य

समाज में विभाजन पैदा करना है। गृह मंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड का कानून बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रहा है ना? इस शीतकालीन सत्र में हम सुधार कर इसे दुरुस्त कर देंगे। वक्फ बिल पर बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि देश के मुसलमान इस बिल का स्वागत करेंगे। मुसलमानों की लंबे समय से मांग थी कि वक्फ कानून में संशोधन किया जाए क्योंकि वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य मौजूदा बिल का इस्तेमाल कर लूट कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने इसका इस्तेमाल वोट बैंक की राजनीति के लिए किया। जमाल सिद्दीकी ने कहा कि अब उम्मीद है कि सभी को फायदा होगा। आप ओवेसी और मदनी साहब का दर्द और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों का दर्द देख सकते हैं जिन्होंने वक्फ संपत्तियों को लूटा है। वे चाहते हैं कि यह बिल न आए ताकि उन्हें ये संपत्तियां न गंवानी पड़े। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि उन्होंने पाकिस्तान में बैठे अपने लोगों से इस बिल को लेकर (भारत सरकार को) ईमेल करवाया है। जिस तरह से वे हमारे आंतरिक मामलों को देश के बाहर ले जाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, इस पर मैंने पीएम को पत्र लिखकर इसकी जांच कराने को कहा है।

इलेक्टोरल बान्ड वसूली मामले में निर्मला सीतारामन को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई कोर्ट ने चुनावी बांड योजना मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत दी है। पहले उनके खिलाफ चुनावी बांड वसूली मामले में एक एफआईआर दर्ज की गई थी, अब हाई कोर्ट ने मामले पर 22 अक्टूबर तक रोक लगा दी है। कर्नाटक बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील के खिलाफ दर्ज एफआईआर में 22 अक्टूबर तक आगे की जांच पर रोक लगा दी, जो उस मामले में सह– अभियुक्त हैं, जिसमें केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण को बनाया गया है। उन पर चुनावी बांड की आड़ में कुछ कंपनियों से पैसे वसूलने का आरोप है।

एक विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 384 (जबरन वसूली के लिए सजा), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 34 (साझा मंशा से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कांग्रेस ने रद्द हो चुकी चुनावी बॉण्ड योजना से जुड़ी एक शिकायत पर निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज होने के बादभारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला था और केंद्रीय वित्त मंत्री के इस्तीफे तथा अदालत की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

बीजेपी ने किया हरियाणा का नॉन स्टाप विकास किया - राजनाथ

हरियाणा, एजेंसी। विधानसभा चुनाव को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज दादरी में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा में पिछले दस वर्षों सबसे अधिक निवेश आया है। पहले यहाँ पर बड़ी संख्या में घरों में नल के माध्यम से जल नहीं पहुँचता था मगर आज हरियाणा के लगभग सभी घरों में जल जीवन मिशन के माध्यम से पानी पहुँच चुका है। उन्होंने कहा कि हमारा हरियाणा देश का वो राज्य है जो 24 फसलें को डैच पर खरीदता है। इतना ही नहीं, बल्कि भाव का अंतर भी देती है और इसके लिए वह भावांतर योजना चलाती है। राजनाथ ने कहा कि किसानों के बैंक खातों में सीधे पैसे भेजने का काम भाजपा सरकार ने किया है। किसान सम्मान निधि के रूप में करीब सवा 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक किसानों के खाते में भेजे गये हैं। उन्होंने कहा कि हमने 2013 में इसी हरियाणा की धरती पर कहा था कि सरकार बनने पर व्व्च लागू करेंगे। भाजपा सरकार ने न सिर्फ वन रैंक वन पेंशन को लागू किया। यानि जो हम कहते हैं

वह करके दिखाते हैं। अब हमने इसका तीसरा रिवीजन भी कर दिया है। कांग्रेस की सरकार थी, तो खर्ची और पर्ची के बिना नौकरी नहीं मिलती थी। हमने उस व्यवस्था को समाप्त किया है। सिंह ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा का नॉन स्टॉप विकास किया है। यदि आप लोगों ने गलत बटन दबाया तो हरियाणा की यह जो लिफ्ट है, यह ऊपर जाने के बजाय बेसमेंट में चली जाएगी। इसलिए सही बटन दबाइए और हरियाणा को लिफ्ट कराइए। उन्होंने कहा कि दस साल से केंद्र में मोदीजी की सरकार है।

कांग्रेस के कार्यकाल में रिश्वत के बिना किसी को सरकारी नौकरी नहीं मिली – सीएम हिमंत

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासन के दौरान किसी को भी रिश्वत दिए बिना सरकारी नौकरी नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि उनका लक्ष्य अपने कार्यकाल में दो लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है।

युवा उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य में 1.4 लाख युवाओं को नौकरियां मिल चुकी हैं। उन्होंने दावा किया, ''कांग्रेस शासन के दौरान युवाओं को यह विश्वास नहीं था कि उन्हें रिश्वत दिए बिना सरकारी नौकरी मिलेगी। कम वेतन वाली नौकरियों के लिए भी उन्हें एक करोड़ रुपये की रिश्वत देनी पड़ती थी। शर्मा ने आरोप लगाया कि असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के अध्यक्ष पद के लिए, कांग्रेस सरकार ने उन लोगों को चुना था जो नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से ''पैसा इकट्ठा'' कर सकते थे। उन्होंने कहा, ''कांटों से भरा युग बीत चुका है। अब, हम बिना किसी रिश्वत के पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षा आयोजित करने में सक्षम हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि 1.4 लाख युवाओं को पहले ही ''एक लाख के लक्ष्य के मुकाबले सरकारी नौकरियां मिल चुकी हैं'', और सरकार अब ''2026 तक दो लाख युवाओं को रोजगार प्रदान करने का लक्ष्य बना रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2021 में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान असम में हर साल एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था।

मणिपुर और जाति जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर दें ध्यान – खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को मणिपुर, जनगणना और जाति

जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि शहरी सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई करने वाले 92: कर्मचारी एससी, एसटी, ओबीसी श्रेणियों से आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी जाति जनगणना के खिलाफ है क्योंकि तब पता चलेगा कि एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और अन्य सभी वर्ग किस काम से अपनी आजीविका कमा रहे हैं। खड़गे ने एक्स पोस्ट में लिखा कि गृह मंत्री अमित शाह को मणिपुर, जनगणना और जातिगत जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपकी सरकार का ही सर्वे कहता है कि शहरी सीवरों, सेप्टिक टैंकों की सफाई करने वाले 92: कर्मचारी एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों से आते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जातिगत जनगणना के विरोध में इसलिए है क्योंकि तब पता चल जाएगा कि एससी, एसटी, ओबीसी ैं व सभी वर्ग कौन–कौन से कार्यों से अपना जीवन–यापन कर रहें हैं। उनकी आर्थिक और सामाजिक स्तिथि क्या है? उनको किस तरह की सरकारी योजनाओं का जंतहमजमक लाभ मिलना चाहिए। कांग्रेस पार्टी जातिगत जनगणना करवाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है। हम ये करवाकर ही रहेंगे।

विपक्षी दल हमारी योजनाओं की नकल कर रहे हैं - शिवराज

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही मैया सम्मान जैसी योजना को अपनी सरकार की नकल बताया। इसके अलावा उन्होंने किसानों और कम आय वर्ग वाली जनता के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धताओं को दोहराया। उन्होंने झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई मैया सम्मान योजना पर तंज कसते हुए कहा, "विपक्षी दल हमारी नकल कर रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को अपने यहां नाम बदलकर लागू कर रहे हैं, लेकिन हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, बल्कि मुझे खुशी है कि वह ऐसा करके कहीं न कहीं महिलाओं का ही सशक्तिकरण ही कर रहे हैं। इस बीच, उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से हुई मुलाकात को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "हमने उनके साथ मिलकर प्रदेश के विकास और किसानों की बेहतरी पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। मसूर और उड़द की दाल हमने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का फैसला किया है, ताकि प्रदेश के किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा, "केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत साढ़े तीन लाख आवास मध्य प्रदेश के गरीबों को देने का काम किया है। पीएम योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में 312 सड़कों का निर्माण होगा। इस दिशा में पूरी रूपरेखा को स्वीकृति दी जा चुकी है। आयातित खाद्य तेल पर इंपोर्ट ड्यूटी पहले शून्य थी। इस पर अब हमने 27 फीसद ड्यूटी लगाने का फैसला किया है, ताकि सस्ता तेल भारत न आए। सोयाबीन, सरसों, मूंगफली का उचित फायदा किसानों को मिले, इस दिशा में हमने फैसला

किया है। इसके अलावा, हमने सामान्य चावल पर भी लगे प्रतिबंध को हटा दिया है, ताकि हमारे देश का चावल बाहर जाए और हमारे किसानों को फायदा पहुंचे। उन्होंने आगे कहा, "2018 में प्रधानमंत्री आवास योजना में कई नाम छूट गए थे। अब उन सभी नामों को इस योजना में जोड़ने की कवायद शुरू की जा चुकी है। पहले कई लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाता था।

संपादकीय

कांग्रेस के खिलाफ माहौल बनता

भारत का हर विवेकशील व्यक्ति हतप्रभ है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी का हालिया वक्तव्य है कि अमेरिका में उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा और भाजपा उन्हें डराकर चुप कराना चाहती है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि क्या हमको ऐसा भारत नहीं चाहिए, जहां हर सिख बिना डरे अपने धर्म का पालन कर सके? कांग्रेस अमेरिका में दिए राहुल के वक्तव्यों के विरुद्ध कैबिनेट मंत्रियों और भाजपा नेताओं के बयानों को उनके विरुद्ध हिंसा भड़काने वाला बताकर जगह–जगह प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और बयान दिया कि उन्होंने अपने साथियों के विरुद्ध कार्रवाई न करके एक प्रकार से समर्थन किया है। सामान्य स्थिति तो यही होती कि अमेरिका में राहुल ने जो कुछ कहा, जिनसे मिले, उसके विरुद्ध देश में प्रखर आक्रामकता दिखाई जाती। कोई नेता ऐसे भारत विरोधी बयान दे, जिनसे विभाजनकारी शक्तियों को बल मिले, जिसका लाभ खालिस्तानी और भारत विरोधी उठाएं, वह घोषित भारत विरोधियों से मिले तथा गलती स्वीकारने के बजाय इसकी आलोचना करने वालों का विरोध करे और उसे समर्थन भी मिले, यह किसी भी हालात में सामान्य स्थिति नहीं हो सकती। इसे ही कहते हैं इकोसिस्टम और नैरेटिव तंत्र की शक्ति। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी को सबसे बड़ा आतंकी कहा या गिरिराज सिंह ने हमला किया। उनकी भाषा से हमारी असहमति होगी, किंतु ये सब प्रतिक्रियाएं राहुल के विभाजनकारी, उकसाऊ और भारत की विश्व में छवि नष्ट करने के व्यवहारों के विरुद्ध हैं। बड़ी संख्या में आम आदमी बातचीत में राहुल के बयान पर ऐसी ही गुस्सैल प्रतिक्रिया दे रहा है। आश्चर्य की बात है कि भाजपा इतने बड़े मुद्दे पर राहुल के खिलाफ माहौल नहीं बना सकी। इसके उलट उसके नेताओं और मंत्रियों का बयान कांग्रेस के लिए मुद्दा बन गया और वह जनता के बीच जा रही है कि ये लोग राहुल की हत्या करना चाहते हैं। यह तो उलटी दिशा में जलधारा को बहाना हुआ। भाजपा के पास इतनी क्षमता है कि वह इसे देशव्यापी मुद्दा बनाकर राहुल और कांग्रेस को रक्षात्मक होने या बयान वापस लेने के लिए विवश कर सकती थी। अगर जनता किसी नेता और पार्टी के विरुद्ध दिखने लगे, माहौल खिलाफ हो जाए तो उसके पास पीछे हटने के अलावा कोई चारा नहीं होता। राहुल अमेरिका में केवल इल्हान उमर जैसी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक से ही नहीं मिले। मुलाकातियों में व्हाइट हाउस में हमेशा भारत के विरुद्ध शरारत भरे प्रश्न करने वाले बांग्लादेशी पत्रकार से भी राहुल की मुलाकात हुई। यह अनुमान सहज लगाया जा सकता है कि यदि भारत विरोधी समूह राहुल से मिल रहा था तो उसका एजेंडा क्या रहा होगा? सिखों के मामले में राहुल गांधी के बयान का आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू समर्थन करता है और वह इसका प्रतिवाद नहीं करते। देश में इसके विरुद्ध नैरेटिव भी नहीं बनता। ऐसी तो नौबत आनी ही नहीं चाहिए थी कि मल्लिकार्जुन खरगे भाजपा को ही आरोपित करने वाला पत्र प्रधानमंत्री को लिखते। भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के उत्तर में राहुल पर टिप्पणियां थीं और कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्रयुक्त किए गए अपशब्दों का विवरण। इसमें सिखों पर दिए गए बयान या उनकी मुलाकातियों वाला अक्षम्य आचरण नेपथ्य में चला गया। भाषाओं के संदर्भ में दिया गया राहुल का वक्तव्य भी स्पष्ट विभाजनकारी और देश में संघर्ष पैदा करने वाला था। पिछले काफी समय से राहुल का पूरा नैरेटिव देश के अंदर जाति, समुदाय, भाषा, क्षेत्र, आर्थिक स्थिति आदि के आधार पर लोगों को संघर्ष के लिए उकसाने पर केंद्रित हो चुका है। भाजपा उनके विरुद्ध मीडिया में प्रतिक्रिया देती है, राहुल आगे बढ़कर कुछ और बोलते हैं, जिसे उनका इकोसिस्टम फैलाने में जुट जाता है। खुद को हिंदू कहने वाले हिंसा–नफरत करते हैं... वाला राहुल का भाषण हिंदुत्व विचारधारा वाले सभी संगठनों, उसे मानने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध उनके अभियान का खतरनाक हिस्सा था और अमेरिका का उनका वक्तव्य उसी का विस्तार था। कुछ भाजपा सांसदों ने उक्त भाषण का विरोध किया तो उसे संसद के रिकार्ड से निकाल दिया गया, लेकिन इंटरनेट मीडिया पर वह पूरा भाषण उपलब्ध है। देश में इस भाषण के वीडियो को अभियान की तरह ले जाकर माहौल बनाया जा सकता था। यह सब नहीं हो पा रहा तो यह चिंता का विषय है। अगर भाजपा सरकार में होते हुए राहुल और उनकी विचारधारा से लड़ते हुए, उन्हें और उनके पूरे इकोसिस्टम को रक्षात्मक होने को विवश करते हुए नहीं दिख रही है तो यह असाधारण संकट का प्रमाण है। सनातन और हिंदुत्व के विरुद्ध जिस तरह का विष–वमन आइएनडीआइए के घटकों ने किया, उसके विरुद्ध भी ऐसी स्थिति नहीं पैदा की गई, जिससे आम लोग उनके विरोध में खड़े होकर उनके इकोसिस्टम पर प्रहार कर पाते। बौद्धिक क्षेत्र में जिस प्रखरता से इन विषयों को उठाया गया, उसका रत्ती भर भी असर राजनीति और संगठन के स्तर पर हुआ होता तो माहौल दूसरा होता। भाजपा के पास तो इस पूरे सोच का तथ्यों के साथ खंडित करने का ठोस आधार है। उदाहरण के लिए तमिल भाषा के विकास, तमिल विद्वानों का वैश्विक सम्मान तथा अन्य भाषाओं के साथ उसके समागम के जितने कदम मोदी सरकार ने उठाए, उतने किसी ने नहीं उठाया। इसी तरह भारत की सभी भाषाओं में प्रोफेशनल शिक्षा देने की नीति पहली बार बनी। फिर भी भाजपा अपने विरोधियों को बेनकाब नहीं कर पा रही है।

लिप–सिंक की वेदी, शांति का कब्रिस्तान

आदित्य

42वीं स्ट्रीट, न्यूयॉर्क, एनवाई 10017, यूएसए। यह संयुक्त राष्ट्र का पता है। यह वह जगह है जहाँ विडंबनाएँ मरती हैं – बार–बार, साल दर साल। इस घटना को इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र से दुनिया भर में लाइव–स्ट्रीम किया गया, जो अन्य पवित्र उद्देश्यों के अलावा, शांति की उन्नति के लिए एक साथ काम करने पर केंद्रित है। घटनाओं की समयरेखा एक चौंकाने वाला विवरण प्रस्तुत करती है। गुरुवार को, 12 देशों – अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सऊदी अरब, यूएई, यूके और कतर – के एक संयुक्त बयान में कहा गया कि तनाव बढ़ना ष्न तो इजरायल के लोगों के हित में है और न ही लेबनान के लोगों के हित में। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संदेश दिया और यह माना गया कि इजरायल भी इसमें शामिल था। शुक्रवार को, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विधानसभा के मंच पर आए और शब्दों की बौछार की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को यहूदी विरोधी पित्त का दलदल कहा, इजरायल विरोधी सपाट–पृथ्वी समाज, विसैन्यीकरण और कट्टरपंथीकरण से मुक्त गाजाष की मांग की, और हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान को तब तक जारी रखने की कसम खाई जब तक कि उसे हरा नहीं दिया जाता। अमेरिका द्वारा तैयार किया गया 21 दिवसीय युद्धविराम आते ही खत्म हो गया। भाषण में अस्वीकृति के बाद विद्रोही सैन्य कार्रवाई की गई। नेतन्याहू के भाषण के एक घंटे के भीतर, इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में घनी आबादी वाले इलाके में बंकर–बस्टर मिसाइलों की बौछार कर दी। ध्यान हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर था, लक्ष्य हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह था, स्थान दहियाह में हारेट हरेक क्षेत्र था। इजराइल का दहियाह सिद्धांत – लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर असंगत बल का उपयोग – चलन में था। शायद ही कभी किसी इजरायली प्रधानमंत्री ने किसी अमेरिकी राष्ट्रपति का इस तरह से मजाक उड़ाया हो – शुक्रवार को बेरूत में बमबारी के तुरंत बाद, जो बिडेन ने कहा कि अमेरिका को हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। अक्टूबर 2023 में, हमास द्वारा किए गए आतंकी हमले के बाद, बिडेन ने नेतन्याहू को सलाह दी कि वे 9ध्11 के बाद अमेरिका द्वारा की गई श्गलतियों को न दोहराएंश। तब से, ब्लिंकन, जो इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक यात्राओं के लिए एयर फोर्स टू में सवार हो चुके हैं, ने तेल अवीव में कहा कि ष्इजराइल खुद का बचाव कैसे करता हैष यह मायने रखता है। सलाह मायने नहीं रखती। अक्टूबर 2023 के आतंकी हमले के बाद से, गाजा में युद्ध में 41,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, लगभग 100 बंधकों को कैद में रहना पड़ रहा है, गाजा बर्बाद हो गया है, हिज्बुल्लाह और इजराइल के बीच युद्ध ने सीमा के दोनों ओर लगभग 300,000 लोगों को विस्थापित कर दिया है। हम इतिहास से जानते हैं कि दुख के परिणाम जटिल होते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, जिन्होंने बुधवार को कहा था कि लेबनान में "नरक टूट रहा है", ने अभी तक इस कल्पना को और नहीं जोड़ा है। संयुक्त राष्ट्र स्पष्ट रूप से अपंग है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में कहा गया है, "हम संयुक्त राष्ट्र के लोग आने वाली पीढ़ियों को युद्ध के अभिशाप से बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।" जबकि यह सच है कि 1945 के बाद से कोई विश्व युद्ध नहीं हुआ है, यह भी उतना ही सच है कि संयुक्त राष्ट्र दुनिया भर में युद्धों को समाप्त करने के लिए आंतरिक दोषों को हल करने में विफल रहा है। जिनेवा अकादमी की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया भर में 110 सशस्त्र संघर्ष हैं, जिनमें से 45 पश्चिम एशिया में हैं। यूक्रेन पर रूस का युद्ध फरवरी 2022 से चल रहा है – 2014 से, अगर रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने को भी शामिल किया जाए। नेतन्याहू के अलावा, सुर्खियों में आने वाले दूसरे नेता यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की हैं। ऐसा अनुमान है कि रूस–यूक्रेन युद्ध में लगभग दस लाख लोग मारे गए हैं या घायल हुए हैं और विशाल क्षेत्र तबाह हो गए हैं। ध्यान रहे, रूस को वापस बुलाने के लिए तर्क देने वाले संयुक्त राष्ट्र के कई प्रस्ताव अधिकतर विफल रहे हैं और उच्च स्तरीय ब्रीफिंग वीटो गेट पर अटक गई है। युद्ध और शांति में समर्थन के लिए केंद्रीय च्5 या सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों और विशेष रूप से अमेरिकी शासन से संबद्धता है – जैसा कि हाल ही में कीर स्टारमर, नेतन्याहू और जेलेंस्की द्वारा की गई बैठकों से स्पष्ट है। शुक्रवार को, जेलेंस्की ने अपने दांव को सुरक्षित रखा और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की, जिन्होंने वादा किया था कि वे सत्ता में आते ही युद्ध समाप्त कर देंगे – संस्थागत आश्वासन पर व्यक्तिगत बीमा पर दांव। जबकि शांति मायावी रही है, युद्ध अर्थव्यवस्था ने सैन्य–औद्योगिक परिसर को समृद्ध किया है। यूक्रेन में युद्ध की शुरुआत के बाद से, अमेरिकी कांग्रेस ने +175 बिलियन खर्च करने के अधिकार वाले पाँच बिलों के लिए मतदान किया है, जिनमें से +69 बिलियन हथियार और सैन्य सहायता में है। इजराइल के लिए पैकेज का अनुमान +14.3 बिलियन है, इसके अलावा नैतिक और सैन्य सहायता भी है। बढ़ते खर्च ने हथियार निर्माताओं के लाभ के दृष्टिकोण को बेहतर बनाया है, उनकी बिक्री और बाजार पूंजीकरण में सुधार करके इसे 1.03 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाया है। संयुक्त राष्ट्र को दोहरेपन की वेदी और शांति के कब्रिस्तान में बदल दिया गया है। यह युद्ध के बाद की कहानी का बंधक है और सुरक्षा परिषद नई दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती है – जिसमें भारत जैसे देश शामिल हैं, जो सबसे बड़ा लोकतंत्र और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पी5 द्वारा संकीर्ण हितों की सेवा के लिए वीटो के इस्तेमाल से यह और भी बदतर हो गया है, जिससे बहुपक्षवाद को हराया जा रहा है। दरअसल, यूक्रेन में युद्ध के बाद से, वीटो 17 बार सामने आया है – 10 बार रूस द्वारा, चार बार अमेरिका द्वारा और तीन बार चीन द्वारा।

जीवन दायिनी प्रकृति से हमे सीखना आवश्यक

(प्रोफे० जी० सी० पाण्डेय, सरस्वती सम्मान प्राप्त, पर्यावरणविद)

हमारा अटूट सम्बन्ध प्रकृति से है तथा हम प्रकृति से कभी भी अलग नहीं रह सकते। प्रकृति के बीच हमने जन्म लिया, पले और बढ़े। हरी भरी धरती, फूलों एवं धरती की सुगन्ध, मीठा निर्मल जल, प्रकृति ने हमें वरदान रूप में दिया है ताकि हमारा जीवन पृथ्वी पर सदैव स्वस्थ एवं जागरूक बना रहे। हमारा सनातनी देश, भावना और आस्था के उत्सवों एवं पर्वों का देश है। प्रकृति द्वारा परम्पराओं ने हमें विभिन्न त्योहारों एवं उत्सवों के आधार पर धर्म आस्था एवं अध्यात्म के जीवन में नयी ऊर्जा का संचार करता है। भारत में मनाये जाने वाले छठ, व्रत, गणपति उत्सव, कुम्भ, विट्टल एवं अन्य उत्सव सभी अध्यात्म का प्रतीक हैं। सभी का सम्वन्ध नदी या समुद्र जल से है। प्रकृति से हमें जो असीम सम्पदा मिली है उसका संरक्षण तो दूर उलट हम लगातार विनाश कर रहे हैं। प्रकृति हमें हमेशा कुछ देती रहती है परन्तु हमसे कुछ लेती नहीं है। परन्तु हम चलते–चलते कहीं पर भी थूक देते हैं तथा हम भूल जाते हैं कि वायु मण्डल में अनेकों प्रकार के जीवाणु हम फैला देते हैं। विभिन्न धार्मिक उत्सवों में फल, दीप, माला, वस्त्र, अनाज नदियों में फेंक दिये जाते हैं। हम अनगिनत एवं असीम मात्रा में मन्दिर में हार, पुष्प, फल आदि चढ़ाते हैं जो कहां फेंके गये और कहां सड़ रहे हैं, जो पर्यावरण को अति प्रदूषित कर रहे हैं, जबकि हम इसका खाद बनाकर सदुपयोग कर सकते हैं। यह सोचनीय प्रश्न है कि क्यों आज पवित्र नदियाँ पहले प्रदूषित नहीं थीं, अब क्यों प्रदूषित हो रही है? यहां–वहां हम ही हैं जो येन–केन प्रकारेण नदी, वायु, भूमि के वातावरण को प्रदूषित कर प्रकृति को संकरापन्न स्थिति में ला रहे हैं। करोड़ों श्रद्धालु कुम्भ या अन्य अवसरों पर साबुन आदि लगाकर स्नान करते हैं जिससे जल प्रदूषित होकर त्वचा के या अन्य रोग फैलाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गंगा तट पर रहने वाले पुरुषों के प्रास्टेट तथा महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर रोग अधिक मात्रा में हो रहे हैं। वस्तुस्थिति यह है कि धार्मिक आस्था के बहाने लोग–बाग बच्चों का शव, सर्पदंश से मरे एवं साधुओं का शव गंगा या अन्य नदियों में प्रवाहित कर देते हैं। इससे अनेकों प्रकार के जीव जन्तु पनप कर बीमारियाँ एवं महामारी फैला रहे हैं।

नदियों के तट पर हमने होटल, रेस्त्रां आदि बना लिये हैं जिससे नदियों का प्रवाह बाधित कर रहे हैं। उत्तराखण्ड, पाण्डुरंगा, बिट्टल (महाराष्ट्रा), कुम्भ में अपने शुद्ध होने जैसी कियाओं के कारण प्रदूषण का प्रति वर्ष नया अध्याय जोड़ते हैं।

कल–कारखानों से निकलने वाले शोर एवं विशैले द्रव, पदार्थ और धुओं, नहरों, नदियों और भूमि में समाहित होकर प्रदूषण पैदा कर रहे हैं, जिससे अनेकों प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं। मलेरिया, हिपेटाइटिस, डेंगू, सेप्टो एवं कैन्सर आदि अनेक रोग आज दिखाई दे रहे हैं। कहते हैं जैसा वातावरण (प्रकृति) वैसा स्वभाव एवं चलन। कुपोषण एवं कुप्रभाव से ही मनुष्य का स्वभाव एवं मस्तिष्क विकृत हो रहा है, जो चिड़चिड़ापन एवं अशांति पैदा कर रहा है। प्राचीन समय में देवी–देवताओं की मूर्तियां कच्ची मिटट्टी की बनती थीं। पत्तल एवं कुल्हण का उपयोग भोजन के लिए करते थे जिससे आस–पास का वातावरण सुगन्धित एवं ऊर्जावान होकर स्वस्थ वातावरण देता था। मिटट्टी से बनी मूर्तियां पानी में विलीन हो जाती थीं तथा पत्तल, कुल्हण जमीन में समाहित हो जाते थे। आज कल हमने मूर्तियों को जल में न घुलने योग्य बना दिया है। अन्धाधुन्ध पेड़ों की कटाई, औद्योगीकरण, केमिकल फर्टिलाइजर के प्रयोग से वातावरण को संकटापन्न की स्थिति में ला दिया है। समस्याओं का अवतरण होना तब से शुरू हो गया जब से हमने नदियों, पेड़ों, पहाड़ों, जीव जन्तुओं को पूजित करना छोड़ दिया। अगर हम प्रकृति का सम्मान नहीं करेंगे तो प्रकृति उलट कर हमसे, समय से, बदला लेगी। शास्त्रानुसार मनुष्य को अपने जीवन में पांच ऋण चुकाने होते हैं जैसे, माता, पिता, गुरू, धरती एवं धर्म का ऋण। अन्य के साथ–साथ धरती का ऋण चुकाने के लिए कृषि करना या पेड़ लगाना होता है, जिससे अधिकांश समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज जागरूक रहकर अपने एवं जन मानस के हित के लिए, प्रकृति के साथ रहकर प्रकृति को समझना तथा उससे सीखने की आवश्यकता है, तभी भारत एक विशाल, समृद्ध, अच्छा, स्वस्थ्य, सनातन देश बनेगा।

स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक पूरा

उमेश

स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों को ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे का ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका–सा जवाब दे दिया था, ष्यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है।ष गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट–पैंट में आ गए। भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने ना सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'। स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी। भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू ना लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी, लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े–बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं। स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, मैं किसी को भी अपने दिमाग से गंदे पैर लेकर नहीं गुजरने दूँगा। गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा। सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधि संख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं।

एक साथ चुनाव को कराना आसान नहीं

सुरेंद्र

संविधान निर्माताओं को इस देश के मतदाताओं के विवेक पर पूरा भरोसा था। उन्हें यह अनुभूति थी कि मतदाता राष्ट्रीय हितों के साथ ही अपने राज्य के हितों का भी ध्यान रख सकते हैं। इसीलिए संविधान में 'एक राष्ट्र और अलग–अलग चुनाव' जैसी कोई व्यवस्था नहीं की, क्योंकि एक साथ चुनाव से उन्हें संघवाद पर कोई खतरा नजर नहीं आया। कुछ समय तक एक साथ चुनाव का सिलसिला भी सुगमता से चला, लेकिन इतिहास गवाह है कि 1971 में अलग चुनाव कराने का इंदिरा गांधी का फैसला देशहित में न होकर अपने स्वार्थ से जुड़ा था। उसमें सुधार अब समय की जरूरत है। संविधान निर्माता जानते थे कि देश के मतदातागण इतने विवेकशील हैं कि वे एक ही चुनाव के समय लोकसभा के लिए एक पार्टी और उसी चुनाव में विधानसभा के लिए दूसरी पार्टी को वोट दे सकते हैं। स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व उप–प्रधानमंत्री जगजीवन राम कहा करते थे कि 'तमाम भारतीय मतदाता भले निरक्षर हैं, पर वे बेवकूफ नहीं हैं। वर्ष 1957 के चुनाव में केंद्र में जहां कांग्रेस सरकार कायम रही, वहीं केरल में पहली बार गैर–कांग्रेसी कम्युनिस्ट सरकार बनी। यह सिलसिला समय के साथ और तेज हुआ। वर्ष 1967 आखिरी ऐसा अवसर था जब केंद्र और राज्यों के चुनाव एक साथ हुए थे। तब केरल सहित सात राज्यों के विधानसभा चुनावों में गैर–कांग्रेसी सरकारें बनीं, जिनमें से एक राज्य बिहार भी था। तब बिहार में लोकसभा की 53 सीटें थीं। उनमें से 34 सीटें यानी आधी से अधिक कांग्रेस को मिली थीं, मगर विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत नहीं मिल सका। यानी बिहार की जनता ने लोकसभा के लिए तो कांग्रेस को वोट दिए, लेकिन विधानसभा चुनाव में गैर–कांग्रेसी सरकार चुनी। तब क्या किसी ने संघीय ढांचे के कमजोर होने का शोर मचाया था। ऐसे में, यदि एक बार फिर देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ होने लगें तो उसमें किसी को भला क्यों परेशानी होनी चाहिए, क्योंकि 1967 के बाद तो देश में साक्षरता से लेकर संचार के साधनों का काफी विस्तार हुआ है। लोगों में जागरूकता बढ़ी है। आज राजग विरोधी दल और उनके नेता यह आरोप लगा रहे हैं कि एक साथ चुनाव कराने पर केंद्र में सत्तासीन राष्ट्रीय दल और उसके शीर्ष नेता में एकाधिकारवाद की प्रवृत्ति पनपने का खतरा बढ़ेगा। वर्ष 1967 और 1971 के चुनावों के बाद के राजनीतिक विकास की जिन्हें गहरी जानकारी है, वे ऐसी बेतुकी दलील कतई नहीं देंगे। जब 1967 में लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव हुए तब इंदिरा गांधी ही प्रधानमंत्री थीं। उस चुनाव के बाद भी इंदिरा गांधी ही प्रधानमंत्री बनीं, लेकिन उनमें 1967 से 1971 तक एकाधिकारवाद की प्रवृत्ति नहीं बढ़ी थी, क्योंकि तब तक कांग्रेस पार्टी में ही एक हद तक आंतरिक लोकतंत्र कायम था। इंदिरा सरकार 1969 से 1971 तक अपने अस्तित्व के लिए दूसरे दलों पर भी निर्भर थी। यहां तक कि इंदिरा गांधी 1967 के चुनाव में पूर्व रक्षा मंत्री वीके कृष्ण मेनन तक को लोकसभा का टिकट नहीं दिलवा सकीं। जबकि वह 1962 के चुनाव में बंबई (अब मुंबई) की एक लोकसभा सीट से जीतकर आए थे। तब कांग्रेस संगठन मेनन के खिलाफ था। हालांकि 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी भारी बहुमत से जीतकर आईं तो उनमें एकाधिकारवाद की प्रवृत्ति काफी बढ़ गई। यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ी कि सक्रिय राजनीति से संन्यास ले चुके जयप्रकाश नारायण को भी लग गया कि यह देशहित में नहीं है। उन्होंने इंदिरा गांधी के एकाधिकारवाद पर एक लंबा लेख लिख दिया। उसी लेख के कारण जेपी से प्रधानमंत्री कुपित रहने लगीं। यह जेपी आंदोलन के शुरू होने से पहले की बात है। इसी पृष्ठभूमि में किसी कार्य से जेपी ने पटना से दिल्ली पहुंचकर जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से मिलने की कोशिश की तो श्रीमती गांधी ने उन्हें कहलवा दिया कि वह सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल से मुलाकात कर लें। जेपी गुजराल से मिले बिना पटना लौट गए। अब जो प्रतिपक्षी दल यह आरोप लगा रहे हैं कि एक साथ चुनाव से प्रधानमंत्री में एकाधिकार की प्रवृत्ति बढ़ेगी, तो वे 1971 के सत्ताधारी दल और आज के सत्ताधारी दल की बनावट एवं प्रवृत्ति में अंतर नहीं देख पा रहे हैं। फिर यदि ऐसी कोई प्रवृत्ति उभरती भी है तो मतदाता उसका जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। एक साथ चुनाव कराने के विरोध में तरह–तरह के तर्क गढ़ने वाली कांग्रेस यह कह रही है कि वह संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ होगा। दूसरी ओर वही कांग्रेस बार–बार यह तर्क दोहराती रहती है कि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस देश में मजबूत लोकतंत्र की नींव डाली। यानी तब एक साथ चुनाव कराने से लोकतंत्र मजबूत होता था, तो आज वही काम करने से वह कमजोर कैसे हो जाएगा? जबकि तब की अपेक्षा आज के भारतीय मतदाता अधिक जागरूक हैं। कांग्रेस के साथ दिक्कत यह है कि फिर से एक साथ चुनाव की व्यवस्था से इंदिरा गांधी के उस विवादास्पद फैसले के औचित्य पर प्रश्न चिह्न लग जाएगा, जिसके तहत उन्होंने 1971 में अलग से लोकसभा का चुनाव कराया था, जिसके पीछे उनका निजी स्वार्थ था। उनकी सरकार सीपीआइ और डीएमके जैसे दलों के सहारे आराम से चल रही थी। उस पर कोई खतरा नहीं था, लेकिन वह इन दलों के दबाव से जल्द मुक्त होना चाहती थीं। सीपीआइ आदि के दबाव के कारण वह न तो खुद एकाधिकारवादी बन पा रही थीं न ही अपने पुत्र संजय गांधी के लिए कार संयंत्र की स्थापना करवा पा रही थीं। संजय गांधी ने लंदन के एक कार कारखाने में कुछ समय तक प्रशिक्षण भी लिया था। संजय की बड़ी इच्छा थी कि वह भारत में कारखाने की स्थापना करें। संजय ने अपने नाना के सिरहाने से हेनरी फोर्ड की किताब निकाल कर पढ़ी थी, जिससे उन्हें इसके लिए प्रेरणा मिली थी। इस बीच 1969 में कांग्रेस के महाविभाजन के बाद इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का लुभावना नारा गढ़ने के साथ ही कुछ लोकलुभावन काम भी किए। 1971 के चुनाव में जीत के बाद इंदिरा गांधी गरीबी हटाने का अपना वादा तो भूल गईं, लेकिन अपने पुत्र संजय के कारखाने का सपना जरूर पूरा किया। उसके मूल में अलग –अलग चुनाव कराने की जो एक विसंगति आरंभ हुई, उसे दूर करना मौजूदा सरकार का दायित्व है।

इस बार अयोध्या की रामलीला में फिल्मी जगत की नामचीन हस्तियां निभायेंगी भूमिका - सुभाष मलिक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। इस बार अयोध्या की रामलीला और ही भव्य व लोकप्रिय होगी।क्योंकि इस बार अयोध्या की रामलीला में माँ सीता के किरदार में मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा के अलावा सांसद मनोज तिवारी,रवि किशन,स्वीटी गुप्ता, बिंदू दारा सिंह,के अलावा कई फिल्मी कलाकार भाग लेंगे।उन्होंने बताया कि इस बार ताज रिया सिंघा ने अपने नाम किया व इतिहास में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब कोई मिस यूनिवर्स इंडिया सीता का किरदार निभाने जा रही है। प्रसिद्ध भजन गायिका व अयोध्या की रामलीला मे कई बार माता सीता का किरदार निभा चुकी स्वीटी गुप्ता भी इस बार भी अयोध्या की रामलीला मे अपनी भूमिका निभायेगी। सांसद और सुपरस्टार मनोज तिवारी अयोध्या की रामलीला में बाली की भूमिका निभाएंगे व संसद रवि किशन सुग्रीव की भूमिका निभाएंगे।अयोध्या की रामलीला के फाउंडर अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और महासचिव शुभम मलिक ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बोला अयोध्या की रामलीला इस बार फिर सारे अपने विश्व के पिछले रिकार्ड तोड़ेगी।अयोध्या की रामलीला में इस बार सबसे ज्यादा फिल्म स्टार काम कर रहे हैं।मुंबई की सुपरस्टार भाग्यश्री – मां वेदमाती की भूमिका निभा रही है।पदम श्री मालिनी अवस्थी – मां शबरी की भूमिका में अयोध्या की रामलीला में अपने अभिनय से राम भक्तों को कई वर्षों से अपनी भूमिका से राम भक्त में लीन करती है।शीबा यह भी सलमान खान के साथ कई फिल्में कर चुकी हैं।यह आग कब बुझेगी, सूर्यवंशी, ऐसे कई फिल्म कर चुकी है । बॉलीवुड की जानी–मानी एक्टर ऋतु शिवपुरी – मां सीता की मां सुनयना की भूमिका निभा रही हैं। अमिता नांगिया जो कई फिल्म कर चुकी है वह मंदोदरी की भूमिका निभाएंगी। मंगिशा, मैडोना, पायल, गोगा कपूर शूर्पणखा का रोल करेंगी। अयोध्या के रामलीला के फाउंडर अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और महासचिव शुभम मलिक ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बोला कि , हमें बड़ी खुशी है इस बार अयोध्या की रामलीला में बॉलीवुड से 42 से ज्यादा कलाकार कम कर रहे हैं। इस बार सांसद मनोज तिवारी – बाली की भूमिका में नजर आएंगे , और सांसद रवि किशन – सुग्रीव की भूमिका में, राजा मुराद – राजा दशरथ , राकेश बेदी – राजा जनक , बिंदु धारा सिंह भगवान शंकर की भूमिका निभा रहे हैं। रूबी चौहान–मेघनाथ, वेद सागर –राम, अनिमेष मिढा – लक्ष्मण , विनय सिंह–कुंभकरण, निरंजन – नारद मुनि ,की भूमिका निभाएंगे, चंदन प्रसाद विभिन्न भूमिका निभाएंगे मनीष शर्मा – रावण की भूमिका निभाएंगे।अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है। जिसकी प्रशंसा मान्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी कर चुके हैं। साथ अयोध्या की रामलीला को देखने कई गण मन ने व्यक्ति देश–विदेश से पहुंचेंगे और कई साधु संत भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या की रामलीला देखने आ रहे हैं। रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है। पिछले साल अयोध्या की रामलीला को 36 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखी थी। इस साल हमारी कोशिश है , कि 50 करोड़ से ज्यादा राम भक्त अयोध्या की रामलीला में सभी पत्रकारों को धन्यवाद करता हूं उनकी अयोध्या की रामलीला में अहम भूमिका होती है । हमने अयोध्या की रामलीला की शुरुआत कोरोना काल में करी थी । उस समय कहीं पर भी रामलीला नहीं दिखाई जा रही थी हमने श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या पर रामलीला की शुरुआत करी थी मुझे बहुत खुशी है कि अयोध्या की रामलीला को जो हम देखते हैं तो ऐसा लगता है जैसे भगवान पृथ्वी पर उतर आए हो।उन्होंने बताया कि फिल्म जगत के चालीस से अधिक नायक नायिका इस रामलीला में भूमिका निभायेंगे।

सपा 10 अक्टूबर से शुरु करेगी किसान बचाओ साड़ भगाओ, भाजपा भगाओ, देश बचाओ आंदोलन – अवधेश प्रसाद

अयोध्या। सपा दस अक्टूबर से किसान बचाओ,साड़ भगाओ,भाजपा भगाओ देश बचाओ का आंदोलन आस्तीकन से शुरु करेगी।जिसके समाप्त होने की सूचना बाद में बतायेंगे।यह बातें फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद ने सपा पार्टी कार्यालय रीडगंज पर आयोजित पत्रकार वार्ता में कहीं।इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस समय जिले में सांडों का काफी आतंक है।अनेकों जगह पर सड़क हादसे का मुख्य कारण हाइवे व सड़कों पर सांडों का घूमना है।जिसके चपेट में आकर कई वाहन चालक असामयिक मौत का शिकार हो रहे हैं।वही इन साड़ों से किसानों का फसल भी चौपट हो रहा है। जिसके चलते साड़ों से काफी परेशानी हो रही है।जिसके चलते किसान व वाहन चालक काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पत्रकार वार्ता में भदरसा गैंग रेप मामले मे गैंगरेप आरोपी मोईद खान की डीएनए रिपोर्ट को लेकर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर यह रिपोर्ट हाई कोर्ट न मांगती तो सरकार इसे सार्वजनिक नहीं करती। उन्होंने कहा कि हमारे नेता अखिलेश यादव को पहले से ही शंका थी कि वह इतनी ज्यादा उम्र का है वह कैसे ये काम कर सकता है। भाजपा मुस्लिम के नाम पर बदनाम करने का काम कर रही है। पूरे उत्तर प्रदेश में पूरे देश में यह संदेश गया है कि सरकार पूरी तरह से मुस्लिम विरोधी सरकार है। दलित विरोधी सरकार है।यह संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी सरकार है। जिसका जबाब आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता देगी।इस सरकार को जनता उखाड़ फेंकने का काम करेगी और सपा सरकार पूर्ण बहुमत में आयेगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र सिंह की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सीडा में पेड़ो को कटाई, विद्युत संबंधी समस्याओं, जमीन संबंधी विवादो आदि के संदर्भ में डीएफओ, जीएमडीआईसी और एसडीएम को समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सतहरिया में यूनियन बैंक आफ इंडिया में स्टाफ की कमी को पूर्ण करने और उद्यमियों के लोन संबंधी समस्याओं के निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा एलडीएम को दिए गए। बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत मछलीशहर द्वारा अवगत कराया गया कि उकनी पावर हाउस सब स्टेशन से 33/11 के०वी० विद्युत उपकेंद्र सीडा सतहरिया की सभी कमियों को अधिशासी अभियंता विद्युत माध्यमिक निर्माण कार्य खंड वाराणसी द्वारा पूर्ण कर लिया गया है तथा शीघ्र ही लोडिंग चार्ज शुरू कर दिया जाएगा, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा एक सप्ताह के भीतर चालू करने के निर्देश दिए गए। सीडा उद्यमियों द्वारा सीडा में एच०डी०एफ०सी० बैंक का ए०टी०एम० लगवाने हेतु विद्युत की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया, जिसपर अधिशासी अभियंता विद्युत मछलीशहर द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में लगे कनेक्शन का बिल बकाया होने के कारण नया कनेक्शन नहीं दिया जा सकता है जिसपर अधिशासी अभियंता विद्युत मछलीशहर को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के साथ स्पष्टीकरण जारी करने निर्देश दिए गए। बैठक में सीडा में जिलाधिकारी के द्वारा नियमित रूप से साफ–सफाई कराए जाने हेतु निर्देश दिए गए। सिद्दीकपुर में बाउंड्री वॉल निर्माण में उपजिलाधिकारी सदर, उपायुक्त उद्योग, अधिशासी अभियंता लोकनिर्माण विभाग जौनपुर की समिति बनाकर गुणवत्ता जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। निवेश मित्र पर लंबित पत्रावली को संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए ससमय निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को एम०एस०एम०ई० पालिसी, वित्तीय सहायता आदि में उद्यमियों की समस्या का त्वरित निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त उद्योग, सहायक श्रमायुक्त, उपायुक्त जीएसटी, एलडीएम जिला अग्रणी बैंक, अधिशासी अभियंता विद्युत अन्य अधिकारी एवं अन्य उद्यमी संगठन उपस्थित रहे।

मादक पदार्थों के अवैध व्यापार एवं रोकथाम के लिए गठित एन–कार्ड की जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र सिंह की अध्यक्षता में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार एवं रोकथाम के लिए गठित एन–कार्ड की जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी उमेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा अवगत कराया गया कि पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा दुकानदारों, रेस्टोरेंटों में आकस्मिक निरीक्षण कर मादक पदार्थों का सेवन न करने के निर्देश दिये जा रहे है और बताया जा रहा है कि अपने प्रतिष्ठानों पर यथा संभव स्थान पर इस आशय का बोर्ड लगाया जाए और जनपद में विभिन्न स्थानों पर युवाओं को प्रति बंधित दवाओ के प्रति जागरूक करने हेतु लिखित सामग्री सार्वजनिक स्थानों पर वितरण भी कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा मेडिकल स्टोर की सतत निगरानी, गोमती घाट व अन्य घाटो पर, रेलवे स्टेशन के यार्ड, निस्प्रयोज्य इमारतें, घाट इत्यादि स्थानों पर निरंतर निगरानी किये जाने तथा पुलिस गस्त लगाये जाने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही उन्होंने नशा मुक्ति केन्द्र तथा ड्रग पीड़ितों के पुर्नस्थापन के सन्दर्भ में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि स्कूलों व विश्वविद्यालय में इसके संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की जाए, गोष्ठी आयोजित की जाए, उसमें संलिप्त लोगों की काउंसिलिंग भी की जाए। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को नशे से दूर रहने तथा अन्य लोगो को नशे से दूर रहने की शपथ दिलायी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक शहर, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, एलडीएम, आबकारी विभाग व पुलिस प्रशासन से जुड़े अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

3 अक्टूबर से विंध्याचल धाम के लिए चलेगी 10 अतरिक्त बसे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 3 अक्टूबर से शुरू से हो रहे शारदीय नवरात्र में जौनपुर की विंध्याचल से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। दर्शन–पूजन के लिए विंध्याचल धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ने वाली तादाद के मद्देनजर परिवहन निगम ने धाम के लिए 10 अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया है। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी तो रोडवेज के बेड़े में और बसें भी शामिल कर चलाई जा सकती हैं। शारदीय नवरात्र शुरू होने में अब गिनती के दिन बचे हैं। परिवहन निगम ने लोगों की सहूलियत और विभाग की आमदनी बढ़ाने के मकसद से विंध्याचल धाम के लिए 10 अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है। बसों का रूट चार्ट तैयार कर लिया गया है। इससे यात्रियों को डग्गामार वाहनों से निजात मिलेगी।जौनपुर डिपो में कुल 81 बसें है। इनमें निगम और अनुबंधित दोनों तरह की बसें शामिल हैं। रोडवेज से प्रतिदिन जिले से होकर आठ से नौ हजार यात्री आवागमन करते हैं। शारदीय नवरात्र तीन अक्तूबर से शुरू हो जाएगा। ऐसे में यात्रियों और श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ेगी। इसके मद्देनजर विंध्याचल देवी धाम के लिए हर एक–एक घंटे पर यात्रियों की सुविधा के लिए बसें उपलब्ध रहेंगी। इस मामले में मंगलवार को जानकारी देते हुए उप संभागीय परिवहन अधिकारी वाराणसी जोनल विजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया की कुछ बसों की मरम्मत करवाकर उन्हें दुरुस्त कराया जा रहा है। इसके अलावा लोकल रूटों की बसें विंध्याचल धाम के लिए कम चलाई जाएंगी ताकि श्रद्धालुओं को अधिक देर तक बस स्टैंडों पर इंतजार न करना पड़ेगा। जिन जिलों में यात्रियों की संख्या अधिक रहेगी, वहां बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे।

बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परम्परा ही नहीं नैतिक जिम्मेदारी भी – असीम अरुण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परम्परा ही नहीं नैतिक जिम्मेदारी भी है। वृद्धजनों से हमेशा ही मार्गदर्शन मिलता है। वे प्रत्यक्ष –अप्रत्यक्ष रूप से हमें संबल प्रदान करते है। हमारी आने वाली पीढ़ीयों को नसीहत देते है और उनका मार्ग प्रशस्त करते है। ये बातें समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री असीम अरूण ने आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस एवं दादा–दादी, नाना–नानी दिवस पर भागीदारी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। समाज कल्याण विभाग द्वारा, हेल्पेज इंडिया और वरिष्ठ नागरिक महासमिति के संयुक्त तत्वावधान में भागीदारी भवन में आयोजित कार्यक्रम के संबोधन में श्री असीम अरूण ने कहा कि वृद्धजनों की तब मदद की जाये जब उन्हें इसकी जरूरत हो। हमें उन्हें एकाकी नहीं रहने देने चाहिए। प्रदेश सरकार वृद्धजनों के हित में लगातार प्रयास कर रही है और उनके लिए कल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश एकमात्र अकेला ऐसा राज्य है जिसके सभी 75 जिलों में वृद्धाश्रम संचालित हैं। श्री असीम अरूण ने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य है कि बच्चे और युवा पीढ़ी घर परिवार के बड़े–बुजुर्गों की एहमियत को समझें। उनके अनुभवों से प्रेरणा लें और विषम परिस्थियों से सामना होने पर उनसे मार्गदर्शन प्राप्त कर जीवन की चुनौनियों का मजबूती से सम्मान करें। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग का प्रयास है की वृद्धावस्था पेन्शन की पात्रता की उम्र आने पर अर्हता पूरी करने वाले जरूरतमंत बुजर्ग पेन्शन के लिए आवेदन न करना पड़े बल्कि उन्हें स्वतः ही पेन्शन मिलने लगे। इस अवसर पर वरिष्ठ नांगरिकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में 102 वर्षीया राधा जोशी के अलावा 90 वर्षीया श्रीमती कमला डी, उमा त्रीगुणायत, डा.वाई.डी.मिश्र, श्री प्रीतम सिंह नट, श्री वीरेंद्र सिंह, श्री रामलाल गुप्ता, श्री सोबरन सिंह, श्री विजय शंकर वास्तव, श्री वी.के.खरे, श्री दुर्गा दत्त, प्रो.आनंद बरनवाल वैद्य, प्रो.योगेंद्र सिंह, श्री रघुनाथ सिंह आदि शामिल रहे। शतायु सम्मान से सम्मानित श्रीमती कमला डी.ने बताया कि वह लखनऊ वि.वि.से प्रोफेसर हेड के पद से रिटायर हुईं। उन्होंने कहा कि रिटायर होने के बाद उन्होंने अपनी जिंदगी का बखूबी लुत्फ उठाया। विदेश घूमी,समाज सेवा की। उन्होंने बताया कि लखनऊ के निराला नगर में वह अकेली रहती हैं मगर 14 ऐसी ही एकाकी जीवन जीने वाली महिलाओं के साथ एक परिवार की तरह रह रही हैं। शतायु सम्मान से सम्मानित सोबरन सिंह ने बताया कि वह मंदबुद्धि बच्चों की खेल अभिरुचि को प्रोत्साहित करने में जुटे हुए है। वृद्धजन अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के बच्चों के साथ उपस्थित जनसमूह ने वृद्धजनों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए सतत सक्रिय रहने की शपथ ग्रहण की। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के बच्चों ने दादा दादी, नाना नानी के लिए मनमोहक गीत पर नृत्य पेश किया। कार्यक्रम में डॉ0 हरिओम प्रमुख सचिव, समाज कल्याण विभाग, अति विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही श्री प्रशांत कुमार निदेशक, समाज कल्याण, श्री अनूप पंत, हेल्पेज इंडिया प्रमुख सहित समाज कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर्स, विद्यार्थी एवम सी. एम. एस, एल्डिको के छात्र कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

लखनऊ में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ का 22 वा महाअधिवेशन और चुनाव सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ में डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लघु सिंचाई विभाग का द्विवार्षिक महाधिवेशन इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में सम्पन्न हुआ। महाधिवेशन के मुख्य अतिथि स्वतंत्र देव सिंह जल शक्ति मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एंव विशिष्ट अतिथि इं. रमाकान्त तिवारी, मुख्य अभियन्ता, लघु सिचाई विभाग, उत्तर प्रदेश तथा अधीक्षण अभियन्ता इं. डी० के० सिंह, इं० सत्य प्रकाश एंव इं० सी० के० चौधरी मुख्यालय उपस्थित थे। महाधिवेशन में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री हरि किशोर तिवारी तथा डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के प्रान्तीय अध्यक्ष इं.एच०एन० मिश्रा , महासचिव नितेन्द्र श्रीवास्तव, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा के अध्यक्ष इं० विनोद कुमार तिवारी महासचिव इं.राजेंन्द्र प्रसाद सोनकर एव डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन, आवास विकास परिषद के प्रान्तीय अध्यक्ष इं. अमरजीत यादव महासंचिव इं. गंगा प्रसाद, तथा संरक्षक इं० आर० पी० मिश्रा, इं. सुभाष श्रीवास्तव, इं.अनिल कुमार गुप्ता, इं. बलवन्त प्रसाद, इं. उदयभान मल्ल इं. रमेश चन्द्रा जी एंव बोरिंग टेक्नीशियन संघ के अध्यक्ष श्री राजेश पाल जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। महाधिवेशन में मुख्य अतिथि द्वारा ज्ञापन में प्रस्तुत मांगों के सम्बन्ध में शासन/विभाग स्तर पर क्रियान्वयन कराने हेतु विशेष प्रयास करने का आश्वासन दिया गया। महाधिवेशन में कार्यकारिणी का चुनाव भी संपन्न हुआ । जिसमे इं. राजीव कुमार शाक्य प्रान्तीय अध्यक्ष , इं० दिलीप कुमार गंगवार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, इं० सदादन्द यादव उपाध्यक्ष (मध्य), इं० जितेन्द्र बहादुर उपाध्यक्ष (पूर्व), इं० चरन सिंह उपाध्यक्ष (पश्चिम) . (इं० अरूण कुमार, महासचिव , इं० अमरदीप कुकरेती, वित्त सचिव, इं० निर्मल कुमार अतिरिक्त महासचिव, इं० अशोक कुमार पाल उपमहासचिव (मध्य), इं० अशोक कुमार यादव उप महासचिव (पूर्व), इं० देवेन्द्र कुमार उप महासचिव (पश्चिम), इं० संजय कुमार सिंह संगठन सचिव (मध्य), इं० परबिन्दर कुमार पाल संगठन सचिव (पूर्व) इं० मनोज कुमार गंगवार संगठन सचिव (पश्चिम) , इं० पवन कुमार सिंह प्रचार सचिव , इं. नत्थू सिंह समोक्षक को निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचित घोषित किये गये। किसके बाद सभी निर्वाचित पदाधिकारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई और समर्थकों ने फूलमाला पहनकर अपने नेताओं का स्वागत किया।

पित्त की 6 एमएम की पथरी निकली – डा एस बी तिवारी

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। एक बार पुनः चिकित्सा जगत में खुशी की लहर दौड़ पड़ी जैसे ही पता चला कि अब पित्त की पथरी नहीं है यानी यह दवा से ही ठीक हो चुकी है। जी हां आज बात हो रही है लखनऊ की गरिमा जी की जिन्हें पित्त की थैली में पथरी हो गई थी और उसको लेकर के उनके घर वाले बहुत परेशान थे डॉक्टरों ने यह बता दिया था कि इसका ऑपरेशन ही इलाज है और वह ऑपरेशन की तैयारी भी कर चुकी थी। लेकिन किसी ने बताया कि डॉक्टर एस बी तिवारी कल्याणम सेवा लखनऊ में पित्त की थैली की पथरी का इलाज दवा से होता है ।इन्होंने विश्वास करके कुछ दिन दवा चलाया और जब जांच कराई गई थी उनकी पथरी नहीं दिखी और बार–बार क्रॉस कराया गया उसमें भी पथरी नहीं दिखी ।आज लगभग ढाई वर्ष हो गया उसके बावजूद भी इन्हें कोई दिक्कत नहीं जब भी जांच कराई जाती है तो कोई पथरी कहीं से कोई दिक्कत नहीं। बताते चलें डॉक्टर तिवारी कल्याण जी होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के द्वारा लोगों की सेवा करते हुए 26000 से भी ज्यादा पथरी हजारों डायलिसिस सैकड़ो मोटर न्यूरोन जैसे अनेकों असाध्य बीमारियों को ठीक कर ऐसे ही प्रमाणिक प्रस्तुति देकर चिकित्सा जगत में लोगों के विश्वास का पर्याय बन चुके हैं। उन्हें अनेकों राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनके इसी कार्य के दम पर उनका नाम पिछले 20 सालों से लिम्का बुक रिकॉर्ड जैसे सम्मानित सम्मान भी बरकरार है ।टाटा मोटर्स लखनऊ के वरिष्ठ परामर्श चिकित्सक, अवध क्षेत्र चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रभारी ,अपना कल्याण परिवार के राष्ट्रीय संस्थापक, लखनऊ ध्आजमगढ़ध गाजीपुर ध नैनीताल जैसेकई शहरों में अपनी सेवा देते हुए सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना कवि हृदयध महान योगी भारतीय संस्कृत में गहरी रुचि रखने वाला ऐसे महान चिकित्सक द्वारा आम लोगों में इस तरह के विश्वसनीयता निश्चित रूप से बहुत ही संतोषजनक है।

वार्ता के दौरान डॉक्टर तिवारी जी से पूछने पर की क्या पित्त की सारी पथरी निकल जाती है तो उन्होंने बहुत ही साफ गाई के साथ बताया कि हो सकता है की सारी पथरी न निकल पाए लेकिन ज्यादातर पित्त की पथरियां निकल जाती हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक लगभग 1000 पित्त की पथरी भी वह निकाल कर और उसकी प्रमाणिक प्रस्तुति दे चुके है।

अमृत सरोवर, विधि संस्थान में चलाया गया स्वच्छता अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । उत्तर प्रदेश शासन एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिसर इकाई द्वारा कुलपति प्रो. वंदना सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत मंगलवार को विधि संस्थान में विभागाध्यक्ष डॉ वनिता सिंह के निर्देशन में एवं अमृत सरोवर पर वृहद स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशाल यादव ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता को अपनी आदत बनानी चाहिए । यह एक जिम्मेदारी है जो हम सभी को निभानी चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ अजय मौर्य एवं डॉ शशिकांत यादव ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया और कहा कि हम लोगों की जिम्मेदारी है की समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास करना चाहिए। स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और इसे एक जन–आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर स्वयंसेवक अभिषेक दुबे, अभिनव कीर्ति पांडेय, प्रमन चौरसिया, प्रभात तिवारी स्वयसेविका संस्कृति यादव, प्रियांशी मौर्या एवं समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

मैम फेस्ट का सफल आयोजन हुआ संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मैम ग्रुप फॉउंडेशन की तरफ से सोमवार को मैम फेस्ट का सफल आयोजन संपन्न हुआ। मैम ग्रुप फाउंडेशन की फाउंडर एंड सीईओ जान्हवी मिश्रा ने इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण व कला के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं को बढ़ावा देना बताया। इस कार्यक्रम में सौ से अधिक समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। मशहूर अभिनेता अनिल रस्तोगी इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। मैम फेस्टश का आयोजन सोमवार दिनांक 30 सितंबर को लखनऊ के गोमतीनगर में स्थित होटल उहास में संपन्न कराया गया। इस कार्यक्रम में फलक नाज को मिस यूपी के रूप में सम्मानित किया गया। वहीं हिमांशी द्विवेदी को मिस लखनऊ के रूप में सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मिस गोरखपुर के रूप में अंजली व मिस कन्नौज के रूप में अवर्तिका को सम्मानित किया गया। महज 21 वर्ष की उम्र से स्टार्टअप रन कर रही मैम ग्रुप फाउंडेशन की फाउंडर एंड सीईओ जान्हवी मिश्रा ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वालंटियर्स का भी बड़ा योगदान रहा। एम डी ए कोहिनूर यूपी अचीवमेंट अवॉर्ड डांसिंग विजेताआर्गनाइजर डारेक्टर कौरियोग्राफर मोनी मिश्रा , बच्चों की गणेश वन्दना प्रस्तुति प्राची आस्था माही ,जोया,शिवा, मिनाक्षी,डांसिंग विजेताने की। बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। जान्हवी मिश्रा की तरफ से सभी वालन्टीयर्स को भी सम्मानित किया गया।

एस0के0डी0 एकेडमी में वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस0के0डी0 एकेडमी की राजाजीपुरम शाखा में अन्तरशाखा वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने विभिन्न विषयों पर अपने रोचक विचार प्रस्तुत किये। एकेडमी की वृन्दावन शाखा, विक्रान्त खण्ड शाखा, आई0एस0सी0 व जूनियर शाखा के साथ राजाजीपुरम यू0पी0बोर्ड के बच्चे भी प्रतिभागी रहे। इस अवसर पर एस0के0डी0 ग्रुप ऑफ एजूकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह ने बच्चों को सम्बोधित किया। उन्होने कहा कि पढ़ाई–लिखाई के साथ अन्य गतिविधियों में शामिल होने से व्यक्तित्व का सही विकास हो पाता है। कक्षा 4–5, 6–7 एवं 8–9 के बच्चों के क्रमशः विषय थे– टी0वी0 देखना बच्चों के लिए लाभकारी या हानिकारक, क्या खेलकूद शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए, क्या पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी है? कुल 30 बच्चों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल में लखनऊ के वरिष्ठ साहित्यकार व विज्ञान शिक्षक

महाराज दीन मिश्र एवं आलोक दीक्षित उपस्थित रहे।

भारत के नवनिर्माण में कायस्थों की महत्वपूर्ण भूमिका – वन मंत्री डा. अरुण सक्सेना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

गाजियाबाद। कायस्थ समाज ने आजादी की लड़ाई के साथ–साथ स्वतंत्र भारत के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह विविध क्षेत्रों में अग्रणी रहा है। यह कहना है उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना का। वह लोहियानगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित कायस्थ महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सामाजिक एकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है और यह शैक्षणिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व आर्थिक विकास में सहयोग मिलता है।डॉ सक्सेना ने गा. चित्रांश महासभा द्वारा आयोजित कायस्थ महासम्मेलन के मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम

की प्रशंसा करते हुए कि कायस्थ समाज को आज राजनीति, शिक्षा, व्यापार, रोजगार आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने की जरूरत है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद अनिल अग्रवाल, बिहार के विधान पार्षद एवं भाजपा के राष्ट्रीय सह प्रवक्ता संजय मयूख, अलीगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज सक्सेना, भारत गौरव व वरिष्ठ पत्रकार डॉ. जितेन्द्र बच्चन ने भी अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक जागरूकता में कायस्थों की बड़ी भूमिका रही है। इस देश के कायस्थों ने हमेशा समाज और राष्ट्र को दिशा देने और शिक्षित करने का काम किया है। आज फिर हमें सबका साथ सबका सम्मान के लिए आगे आने की आवश्कता है।

कायस्थ महासम्मेलन में कई सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों, पार्षदों, समाजसेवियों, पत्रकारों और पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। अतिथि के तौर पर आवास विकास परिषद मेरठ मंडल के उप आवास आयुक्त अजय अम्बष्ट, गाजियाबाद के पूर्व महापौर आशु वर्मा, चित्रगुप्त पीठ वृन्दावन के महामण्डलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद पशुपति, भाजपा महानगर गाजियाबाद अध्यक्ष संजीव शर्मा आदि शामिल रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से भगवान चित्रगुप्त के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। उसके बाद नृत्य शिक्षक सोनिका श्रीवास्तव, उनके द्वारा प्रशिक्षत बच्चे और दिल्ली से आईं सुरों की जादूगर ममता श्रीवास्तव व उनकी टीम ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। इस बीच मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर संस्था ने उनका स्वागत–सम्मान किया। मुजफ्फरपुर बिहार के रमेश प्रसाद श्रीवास्तव, बुलंदशहर उत्तर प्रदेश के एडवोकेट अनिल सक्सेना, मीरजापुर के विपिन श्रीवास्तव, जौनपुर के विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार, गाजियाबाद के प्रतीक माथुर को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन मुंबई मिस सुंदरी रही हेमा सक्सेना ने किया। उसके बाद संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव ने संभाला। उन्होंने कहा कि महासम्मेलन का उद्देश्य कायस्थ समाज के लोगों को एकजुट करना है और यह प्रयास उनका आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर श्रीमती पंकज श्रीवास्वत, विजय कुमार श्रीवास्तव, राकेश सिन्हा, अशोक कुमार श्रीवास्तव, राजन श्रीवास्तव, प्रभाकर श्रीवास्तव, अनिल सक्सेना, प्रभात श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव, आकाश श्रीवास्तव, मीनाक्षी श्रीवास्तव, शैलेंद्र श्रीवास्तव, अमित किशोर, मनोज कुमार श्रीवास्तव, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, आशीष भटनागर, सुनील श्रीवास्तव, आशुतोष सिन्हा, मुरारी प्रसाद श्रीवास्तव, राजीव कांत, नूपुर श्रीवास्तव, भारती वर्मा, रितु श्रीवास्तव, रेनू श्रीवास्तव, किरण श्रीवास्तव, निभा श्रीवास्तव आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लालच में फंसकर छात्रों ने गंवा दिए लाखों रुपये

गोरखपुर, संवाददाता। सिकरीगंज में न्यू गुरूकुल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन नाम से ऑफिस खोलकर जालसाजों ने कक्षा नौवीं, 10, 11 और 12 वीं के छात्रों को कंप्यूटर सीखने के साथ ही पैसा कमाने का प्रलोभन देकर 10 लाख रुपये से अधिक की जालसाजी की और फरार हो गए। सोमवार को खजनी, माल्हनपार, भैंसा बाजार, सिकरीगंज और गीडा से पुलिस ऑफिस पहुंचे करीब 40 छात्रों ने यह आरोप लगाया और कार्रवाई के लिए डे अफसर को प्रार्थना पत्र दिया। डे अफसर ने खजनी थाने को जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पुलिस ऑफिस पहुंचे छात्रों ने बताया कि एक साल पहले सिकरीगंज में न्यू गुरूकुल इंस्टीटच्यूट ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन का ऑफिस खोला गया। इसका डाएरेक्टर सिद्धार्थनगर में रहता है। इसमे बतौर शिक्षक के रूप में तैनात लोग गांव–गांव जाकर अपनी स्कीम छात्रों और अभिभावकों को बताते थे। उन्होंने बताया था कि नौ से 12 वीं के छात्रों को ट्रिप्पल सी और डीसीए कोर्स कराया जाएगा। इस दौरान उन्हें प्रतिमाह तीन से चार हजार रुपये भी दिए जाएंगे। इसके लिए एक छात्र को 15 हजार 499 रुपये फीस जमा करनी होगी। कम उम्र में पढ़ाई के साथ रोजगार पाने की लालच में छात्रों ने अभिभावक से मांग कर रुपये जमा कर दिए। एक माह पहले सिकरीगंज स्थित ऑफिस में ताला बंद हो गया।

बीएचयू के छात्रों को अब मिलेगी हाईजेनिक डाइट, 120 से अधिक मेस एफ एस एस ए आई सर्टिफाइड

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू के 65 हॉस्टलों के 120 से ज्यादा मेस को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) का सर्टिफिकेट मिल गया है। कुल 14 हजार छात्र–छात्राओं को बेहतर भोजन मिलने का दावा किया जा रहा है। कला संकाय के लाल बहादुर शास्त्री हॉस्टल (एलबीएस) में मेस की व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया गया है। यहां पर किचन की तीन बार साफ–सफाई, लंच और डिनर के लिए फ्रेश सब्जी का इस्तेमाल किया जा रहा है। ब्रांडेड तेल, मसाले और हल्दी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। पेमेंट एडवांस में लिया जा रहा है। यदि, चावल कच्चा मिला तो पूरे छात्रों की डाइट फ्री कर दी जाएगी। बीएचयू के छात्र अधिष्ठाता प्रो. एके नेमा ने बताया कि हर मेस महाराज ने एफएसएसएआई से अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। मेस में खासतौर पर खाने की क्वालिटी और हाइजीन को दुरुस्त किया जा रहा है। न्यूट्रिशन के लिए थाली में व्यंजनों की वैराइटी बढ़ाई गई है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि हॉस्टल में रहने वाले छात्र को ही मेस का मैनेजर और सदस्य बनाया गया है। हर महीने के 25 दिन में 50 डाइट खाना ही है। इसके लिए तीन हजार रुपये जमा हो जाते हैं। मेस मैनेजर, वार्डेन और एडमिन वार्डेन हर दिन इसका निरीक्षण करते हैं।

किचन में डीप फ्रिजर– मेस मैनेजर ने बताया कि जिस बर्तन में खाना रखकर परोसा जा रहा है, वो स्टेनलेस स्टील के है। पनीर और सब्जियों के लिए एक डीप फ्रिजर भी है।

मेस संचालक अनुराग पाठक ने बताया कि मेस और किचन की तीन बार सफाई की जाती है। मेन्यू में मालपुआ–पनीर मशरूम भी– रुटीन की डाइट – रोटी, दाल, हरी सब्जी, चावल, सलाद, दही, पापड़। वहीं, अलग–अलग दिनों में पनीर कोफ्ता, छोला–भटूरा, रायता, सत्तू–आलू पराठा, खीर, मशरूम आदि बनाए जाते हैं। रविवार को स्पेशल खाने में पुड़ी, पनीर की सब्जी, पुलाव, मिक्स वेज, दही–बड़ा, मालपुआ और सलाद दिए जाते हैं।

थाली में बढ़ाई गई प्रोटीन की मात्रा

एलबीएस हॉस्टल के एडमिन वार्डेन प्रो. आरएस मिश्रा ने बताया कि हर दिन खाने की वैरायटी बदल जाती है। किचन में मिनरल वाटर के लिए दो आरओ मशीनें लगीं हैं। प्रोटीन के लिए दालों और दही–पनीर की मात्रा बढ़ा दी गई है। एडवांस में 50 डाइट का चार्ज छात्रों से ले लिया जाता है। यदि मेस महाराज ने खाने की क्वालिटी गिराई तो उस दिन छात्रों की डाइट फ्री कर दी जाती है। या फिर मेस महाराज के उस डाइट का आधा पैसा काट लिया जाता है।

किशोर को गोली मारने वाले दो आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज हुआ

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी जिले में किरहिया स्थित मारुका माई चौराहे पर शनिवार की रात करन गुप्ता (16) को गोली मार कर घायल करने के मामले में उसके पिता आशीष गुप्ता की तहरीर पर भेलूपुर थाने में दो आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी साजन सोनकर और आकाश सोनकर किरहिया क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। दोनों की गिरफ्तारी में दबिश दे रही पुलिस को आकाश के मोबाइल की आखिरी लोकेशन और साजन की बनारस स्टेशन पर मिली है। उसके बाद दोनों का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। पुलिस दोनों के परिजनों और दोस्तों से उनके संबंध में पूछताछ कर रही है।

यह है मामला

जनरल स्टोर और चिकन फ्राई की दुकान के संचालक आशीष कुमार गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे तरुण और करन शनिवार की रात 11 बजे घर के बाहर खड़े थे। पड़ोस में ही रहने वाले साजन सोनकर और आकाश सोनकर मनबढ़ किस्म के हैं। दोनों इलाके में अपना दबदबा दिखाने की फिराक में रहते हैं। दोनों उनके घर के सामने आए और अकारण ही तरुण से गालीगलौज करते हुए बोले कि तुम्हें गोली मार देंगे। उसी दौरान साजन ने पिस्टल निकाल कर फायरिंग की तो तरुण बाल–बाल बच गया। करन ने साजन की पिस्टल पकड़ ली तो उसने दो राउंड और फायरिंग की। पिस्टल से निकली एक गोली करन की दाईं कलाई में लगी। उसे मंडलीय अस्पताल और वहां से फिर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। इस संबंध में भेलूपुर थानाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं। चारों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

शूटिंग रेंज में लगेंगी 50 ऑटोमेटिक टार्गेट मशीनें

वाराणसी, संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर तैयार सिगरा स्टेडियम के शूटिंग रेंज पर जल्द ही आधुनिक उपकरण इंस्टॉल कर दिए जाएंगे। स्मार्ट सिटी ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। शूटिंग रेंज में आधुनिक ऑटोमेटिक टार्गेट मशीनें लगाईं जाएंगी। इससे टार्गेट का सही मूल्यांकन हो सकेगा। 10 मीटर पिस्टल निशानेबाजी के लिए 30 ऑटोमेटिक टार्गेट मशीनें और 50 मीटर निशानेबाजी के लिए 20 ऑटोमेटिक टार्गेट मशीनें मंगाई जाएंगी। सिगरा स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले फेज का शुभारंभ इसी वर्ष कर चुके हैं। अब दूसरे और तीसरे फेज का लोकार्पण होना है। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का शूटिंग रेंज भी बनाया गया है। इसके लिए आधुनिक उपकरणों को लगाने की प्रक्रिया स्मार्ट सिटी ने शुरू कर दी है। इन उपकरणों के लग जाने से यहां पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित हो सकेंगी। बनारस की दीपिका पटेल यूथ कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। इनके अलावा लक्ष्मण अवार्डी अजीत सिंह और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आसिफ इकबाल भी अंरतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पदक जीत चुके हैं। दीपिका पटेल ने बताया कि सिगरा स्टेडियम में आधुनिक उपकरणों के लग जाने से युवा निशानेबाजों को काफी मदद मिलेगी। वे अपना खेल और सुधार सकेंगे। नई मशीनों के लग जाने से निशानेबाजी का सटीक मूल्यांकन हो सकेगा।

रायफल क्लब के बाद सिगरा में दूसरा शूटिंग रेंज

सिगरा में बन रहा शूटिंग रेंज वाराणसी का दूसरा शूटिंग सेंटर बनेगा। इससे पहले कैंटोंमेंट में प्रदेश का पहला बहुमंजिला अंतरराष्ट्रीय शूटिंग रेंज बनकर तैयार हो चुका है। इसके बाद सिगरा में शूटिंग रेंज पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच कराने के लिए मशीनों को लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मशीनें मंगाकर सिगरा स्टेडियम के शूटिंग रेंज में मशीनों को इंस्टाल कराने काम काम शुरू करा दिया गया है। सिगरा स्टेडियम का उच्चीकरण भी किया जा चुका है। अक्तूबर में इसके दूसरे फेज का लोकार्पण होना है।

यूपी में बुलडोजर और फर्जी एनकाउंटर से कुचला जा रहा संविधान, कांग्रेस देगी मुंहतोड़ जवाब

प्रयागराज, संवाददाता। यूपी में बुलडोजर राज और फर्जी एनकाउंटर के द्वारा संविधान को कुचला जा रहा है, लेकिन कांग्रेस ऐसा कतई नहीं होने देगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में समानता और सभी वर्गों को न्याय दिलाने के लिए अधिकार दिया हैं। जिसकी रक्षा करने के लिए कांग्रेस का एक–एक कार्यकर्ता अपनी आखिरी सांस तक लड़ते रहेंगे। यह बातें रविवार को सहसों के लाला बाजार में आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मान समारोह व जन सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय ने कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में माता– बहनें असुरक्षित हैं। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देश में ओबीसी, दलित और आदिवासी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना बेहद जरूरी है। कार्यकर्ता बूथ स्तर पर मजबूती बनाएं जिससे आने वाले फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ सके। हम राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का संदेश लेकर हम सब यहां आए हैं। राष्ट्रीय महासचिव राजेश तिवारी ने कहा कि फूलपुर उपचुनाव सहित पूरे प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे और संविधान को बचाने के लिए जरूरत पड़ी तो अपने प्राणों की भी बाजी लगाएंगे। कार्यक्रम को सांसद अमेठी किशोरी लाल शर्मा, सांसद प्रयागराज उज्जवल रमण सिंह, विधायक मोना मिश्रा, शेखर बहुगुणा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर मनीष मिश्र, मकसूद खान, संजय तिवारी, रामकिशुन पटेल, देवराज उपाध्याय, अशफाक अहमद, हलीम अंसारी, मुकुंद तिवारी, हरकेश तिवारी, गुलाब यादव, इमरान खान, इश्तियाक अहमद, प्रदीप मिश्रा, अंशुमन, अरुण तिवारी रहे।

शक्ति प्रदर्शन को लेकर जमकर जूतम पैजार, मची भगदड़

सहसों में आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मान समारोह में उस समय भगदड़ मच गई जब फूलपुर उपचुनाव के दावेदारों के समर्थकों के बीच मारपीट शुरू हो गई। फूलपुर विधानसभा का उप चुनाव होना है। इस सीट पर कांग्रेस ने दावेदारी ठोकी है। इसके लिए कई दावेदार जोरआजमाइश कर रहे हैं। रविवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय की मौजूदगी में दावेदारों के समर्थकों में जंग छिड़ गई। दोनों तरफ से लात, घूंसे के साथ कुर्सियां टकराने लगीं। इससे सभास्थल पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना को मंच से उतकर बीच बचाव के लिए जाना पड़ा। आराधना ने दोनों पक्षों को शांत कराने के बाद उनके साथ ही नीचे कुर्सी पर बैठीं। इसके बाद मामला शांत हुआ। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है।

डॉक्टर की मौत में असिस्टेंट प्रोफेसर समेत तीन पर हत्या का केस

प्रयागराज, संवाददाता। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर कार्तिकेय श्रीवास्तव की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। उनकी बहन ने हत्या का शक जताते हुए संस्थान के ही एक असिस्टेंट प्रोफेसर व दो जूनियर डॉक्टरों पर केस दर्ज कराया है। इनमें डॉक्टर की सहपाठी महिला मित्र भी शामिल है। बहन अदिति का आरोप है कि सीनियर डॉक्टर शिवम गुप्ता उनके भाई को प्रताड़ित करते थे। इस बात की शिकायत के बावजूद असिस्टेंट प्रोफेसर सचिन यादव ने कोई कार्रवाई नहीं की। यही नहीं उन्होंने प्रताड़ित भी किया। उधर जूनियर डॉक्टर अनामिका पर आरोप है कि उसने डॉक्टर कार्तिकेय को अपमानित किया। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच पड़ताल कराई जा रही है।

कार के भीतर मृत मिले थे जूनियर डॉक्टर कार्तिकेय

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के जूनियर रेजिडेंट कार्तिकेय श्रीवास्तव (27) एसआरएन अस्पताल के पार्किंग एरिया में अपनी कार के भीतर मृत पड़े मिले थे। कार में एनेस्थीसिया में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन के दो वायल और सिरिंज मिली हैं।

घटना को लेकर पहले आत्महत्या की आशंका जाहिर की गई थी। कार्तिकेय मूल रूप से जिला कोटद्वार उत्तराखंड के रहने वाले थे और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में जूनियर रेजिडेंट–2 के पद पर तैनात थे। शनिवार रात 10:30 के करीब वह अपनी कार में मृत पड़े मिले थे। सूचना पर डीसीपी नगर अभिषेक भारती व अन्य अफसर पहुंच गए।

विश्वविद्यालय में नौकरी के नाम पर दो भाईयों से चार लाख रुपये की ठगी, केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। रामगढ़ताल इलाके के दो चचेरे भाईयों के साथ गोरखपुर विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर चार लाख रुपये की ठगी हो गई। इसी तरह शाहपुर और बड़हलगंज थाने में भी जालसाजी

का मामला सामने आया है। तीनों मामले में रविवार को धोखाधड़ी का केस दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। पहला मामला रामगढ़ताल थाना क्षेत्र का है। इसमें कज्जाकपुर के रवि प्रताप शुक्ला की तहरीर पर रामगढ़ताल थाने में तथा कथित विश्विद्यालय कर्मी आजाद चौक उमाशंकर त्रिपाठी उर्फ रिंकू और संजय पांडेय पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। रवि ने तहरीर में लिखा है कि उनका बेटा मिहिर और भतीजा सूर्य नारायण शिक्षित बेरोजगार हैं। एयरपोर्ट के पास रहने वो परिचित ने संजय पांडेय ने बताया कि उसके करीबी मित्र उमाशंकर त्रिपाठी गोरखपुर विश्वविद्यालय में काम करते हैं। मेरे बेरोजगार बेटे और भतीजे को वह विश्वविद्यालय में नौकरी दिलवा देंगे। संजय के कहने पर कई बार में चार लाख रुपये दे दिए। इसके बाद भी नौकरी नहीं लगी। रुपये वापस मांगने पर अब दोनों जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

एम्स में तीमारदार बन इमरजेंसी पहुंचे नए कार्यकारी निदेशक

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर एम्स के नए प्रभारी कार्यकारी निदेशक (ईडी) प्रो. अजय कुमार सिंह ने रविवार शाम एक मरीज का तीमारदार बनकर एम्स की इमरजेंसी वार्ड पहुंचे और गेट पर खड़े गार्डों से लेकर अंदर डॉक्टरों व अन्य कर्मचारियों के कार्य व्यवहार को देखा। अंदर कुछ मरीजों और बाहर उनके परिजनों से भी इलाज के बारे में जानकारी ली। इससे पहले ईडी ने गोरखनाथ मंदिर जाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और एम्स की वर्तमान हालत पर विस्तार से चर्चा की। देर शाम पूर्व ईडी प्रो. जीके पाल के साथ प्रशासनिक भवन में मीटिंग कर वस्तुस्थिति को समझा। अब सोमवार को वे विभागाध्यक्षों के साथ मीटिंग के बाद परिसर का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद शाम को एम्स में बदलाव की अपनी कार्ययोजना साझा करेंगे। एम्स भोपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. अजय कुमार सिंह को दो दिन पहले ही एम्स गोरखपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। उन्होंने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभागाध्यक्षों के साथ मीटिंग की थी। रविवार दोपहर बाद ईडी गोरखपुर पहुंचे और सीधे वहां से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने गोरखनाथ मंदिर चले गए। वहां मुख्यमंत्री के साथ करीब एक घंटे तक एम्स की वर्तमान हालत पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने एम्स में हो रही घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि यह संस्थान इलाज से अधिक दूसरे कार्यों के लिए बदनाम होता जा रहा है। वहां से लौटने पर ईडी गाड़ी से उतरे और पैदल ही एम्स की इमरजेंसी वार्ड में पहुंच गए। वे बाहर खड़े तीमारदारों से मिले और इलाज के विषय में जानकारी ली। इसके बाद खुद तीमारदार बनकर अंदर पहुंच गए और इलाज की व्यवस्था को देखा। इस दौरान उन्हें कई कमियां दिखीं, जिसे नोट भी किया।

संक्षिप्त खबरें

पानी से भरे गड्ढे में शव मिलने से सनसनी

बस्ती, संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के सोनूपार पुलिस चौकी के पास स्थित गड्ढे में सोमवार को एक करीब 35 वर्षीय युवक का शव पाया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। शव की पहचान पास के पास के खखुआ गांव निवासी नीरज त्रिपाठी के रूप में की गई। परिवार के लोग हत्या की आशंका जाता रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी के मुताबिक पोस्टमार्टम के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

बैंक कर्मी बनकर क्रेडिट कार्ड का नंबर लिया और उड़ा दिए पांच लाख रुपये

गोरखपुर, संवाददाता। पंचगावां गांव निवासी नंद कुमार जायसवाल के पास जालसाज ने बैंककर्मी बनकर कॉल किया और उनसे क्रेडिट कार्ड का नंबर लेकर पांच पांच लाख रुपये उड़ा दिए। नंद कुमार ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र दिया। एसएसपी के निर्देश पर जांच पड़ताल कर अज्ञात जालसाज पर पीपीगंज थाने में केस दर्ज किया गया है। नंद कुमार ने बताया कि मुझे क्रेडिट कार्ड के संबंध में तीन नंबरों से कॉल आई। मुझसे बातचीत कर क्रेडिट कार्ड का नंबर और ओटीपी पूछा गया। मैंने बैंककर्मी समझकर बता दिया। इसके बाद जालसाजों ने मेरे क्रेडिट कार्ड से करीब पांच लाख रुपये लोन लेकर खाते से निकाल लिया। मुझे जब इसकी जानकारी मिली तो एसएसपी से शिकायत की। पीपीगंज पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है। जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

बेकाबू ट्रक घर में घुसा, एक की मौत

मिर्जापुर, संवाददाता। मिर्जापुर जिले के चौसा मोड़ पर सोमवार को एक अनियंत्रित ट्रक पेड़ से टकराते हुए घर में जा घुसा। इसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसमें राधेश्याम गुप्ता, राकेश कुमार गुप्ता, पप्पू गुप्ता, सुजीत मौर्य, गोविंद गुप्ता की दुकानें शामिल हैं। घटना के बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया। वहीं एक रोडवेज बस में तोड़फोड़ किया। इस दौरान कई यात्री घायल भी हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। जिसके बाद जाम समाप्त हुआ। मौजूद प्रदर्शनकारियों को भगाया गया। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है, शांति व्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

आरओ–एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में अब एक प्रश्नपत्र

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी–सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ–एआरओ) परीक्षा में बड़ा बदलाव किया है। अब आरओ–एआरओ परीक्षा के एक ही प्रश्न पत्र होंगे। पहले सामान्य अध्ययन और हिंदी के दो अलग–अलग प्रश्न पत्र होते थे। साथ ही अब दो की जगह तीन घंटे की परीक्षा होगी। एक प्रश्न पत्र में ही सामान्य अध्ययन 140 और हिंदी के 60 प्रश्न होंगे।

22 दिसंबर को प्रस्तावित है परीक्षा

आरओ–एआरओ की प्रारंभ परीक्षा का पेपर 11 फरवरी को लीक हो गया था। जिसके बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन शुरू कर दिया था। प्रारंभिक जांच में भी पेपर लीक होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आयोग ने दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया। आयोग के कैलेंडर में यह परीक्षा 22 दिसंबर को प्रस्तावित है।

बीएचयू में दीक्षांत समारोह की तैयारियां हो गई तेज

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार मेधावियों को कुल 450 मेडल दिए जाएंगे। इसमें 425 गोल्ड और 25 सिल्वर मेडल होंगे। हर मेडल में 16 ग्राम चांदी और बाकी तांबा होगा। मेडल का व्यास 2.5 इंच और वजन 60 ग्राम होगा। इसके एक साइड बीएचयू का लोगो और दूसरी ओर मेडलिस्ट नाम होगा। बीएचयू ने अपनी वेबसाइट पर मेडल बनाने के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। पिछले साल कुल 539 मेडल दिए गए थे। सूत्रों की मानें तो इस साल कुछ नई विभूतियों के नाम मेडल घोषित किए जा सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2023–24 के लिए स्वतंत्रता भवन सभागार में मेडल के साथ ही करीब 15 हजार छात्र–छात्राओं और शोधार्थियों को उपाधियां भी दी जाएंगी। अक्तूबर के पहले सप्ताह में दीक्षांत समारोह के लिए बनीं 11 उप समितियों की बैठक होगी। इसी में मेडल पाने वालों के साथ ही आने वाले अतिथियों की सूची तैयार की जाएगी। मुख्य तौर पर चांसलर मेडल और बीएचयू मेडल समेत कई निजी प्रसिद्ध नामों पर मेडल दिए जाते हैं। बीएचयू के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटी–बीएचयू के ही पूर्व छात्र और जीस्केलर कंपनी के फाउंडर व सीईओ जय चौधरी होंगे। वहीं, इनके अलावा, दूसरे मेहमानों को भी बुलाने पर विचार किया जा रहा है। अक्तूबर के पहले सप्ताह में दीक्षांत समारोह के लिए बनी आमंत्रण कमेटी की मीटिंग में आने वाले गेस्ट की सूची तैयार की जाएगी। अभी तक इस कमेटी की एक भी बैठक नहीं हुई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।